कविता

21

पाठ-योजना के सोपान

नरेश कुमार*

आओ बनाएँ पाठ-योजना,
जानें कौन-कौन से हैं इसके सोपान।
सबसे पहले लिखो सामान्य सूचनाएँ,
करते हुए इसकी शुरुआत।
सामान्य सूचनाओं में तुम लिख दो,
विषय, प्रकरण, कक्षा, अवधि, दिनांक और अपना नाम।
फिर लिखो तुम सामान्य उद्देश्य,
रखकर विषय विशेष का ध्यान।
उसके बाद बढ़ो तुम आगे,
लिखो विशिष्ट उद्देश्यों को क्रमवार।
विशिष्ट उद्देश्यों को लिखने में,
रखो तुम प्रकरण विशेष का ध्यान।
अब बढ़ो तुम आगे और लिखो,
समस्त सहायक सामग्रियों के नाम।
इसके बाद अगले सोपान में,
लिखो तुम शिक्षण-विधियों के नाम।
फिर बढ़ो तुम आगे और लिखो,
विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान (अनुमानित) से संबंधित बात।
इसके बाद लिखो तुम आगे,
प्रस्तावना प्रश्न से संबंधित सोपान।
प्रस्तावना प्रश्नों के अंतर्गत कर लो तुम,
पूर्वज्ञान परीक्षण से संबंधित बात।
पूर्वज्ञान परीक्षण के उपरांत रखो तुम,
उद्देश्य कथन/प्रकरण की घोषणा का विशेष ध्यान।
उद्देश्य कथन की घोषणा के बाद,
याद रखो तुम प्रस्तुतीकरण सोपान।
प्रस्तुतीकरण सोपान के अंतर्गत बना लो तुम,
पाठ प्रस्तुतीकरण से संबंधित कॉलम चार।
पहले कॉलम का नामकरण कर दो,
तुम पाठ्यवस्तु अथवा शिक्षण-बिंदु के नाम।
दूसरे कॉलम को फिर कर दो,
शिक्षक/विद्यार्थी-अध्यापक क्रियाओं के नाम।
तीसरे कॉलम में तुम रखो,
विद्यार्थी-क्रियाओं का उचित ध्यान।
चौथे कॉलम को तुम कर दो,
आकलन/मूल्यांकन के नाम।

*_असिस्टेंट प्रोफेसर_, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और परिक्षण परिषद, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024

अब बढ़ो तुम अगले सोपान पर,
छोड़कर प्रस्तुतीकरण कॉलम के विचार।
अब बताओ कौन-सा होगा,
पाठ-योजना का अगला सोपान?
नहीं पता तो जान लो सब ये,
पुनरावृत्ति होगा अगला सोपान।
पुनरावृत्ति शीर्षक देकर
अब बना लो तुम दो कॉलम खास।
पहले कॉलम को तुम कर दो,
विद्यार्थी-अध्यापक क्रियाओं/प्रश्नों के नाम।
दूसरे कॉलम को तुम रखो,
लिखने विद्यार्थी-क्रियाओं/उत्तरों के नाम।

अब बढ़ो अगले सोपान की ओर,
जिसका है गृहकार्य/रचनात्मक कार्य नाम।
इस सोपान के अंतर्गत दे दो,
तुम विद्यार्थियों को गृहकार्य/रचनात्मक कार्य से
संबंधित काम।
गृहकार्य सोपान को दे सकते हैं,
अधिगम विस्तार/संप्राप्ति का भी नाम।
अधिगम विस्तार/संप्राप्ति के अंतर्गत,
आप जान पाएँगे अपनी समूची पाठ-योजना का प्रभाव।
लो पूरे हो गए पाठ-योजना के,
शुरू से अंत तक के सब सोपान।
अब बन गई हमारी समूची पाठ-योजना,
और समझ में आ गए सब सोपान।